ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -६

हिन्दी

पाठ - 6

हमारे प्रेरणा के स्रोत- डॉ अब्दुल कलाम

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

6 हमारे प्रेरणा स्रोत- डॉ० अब्दुल कलाम

चिंतन-मनन

हर मनुष्य के जीवन में कोई-न-कोई ऐसा व्यक्ति होता है जिससे वह प्रभावित होता है। उसका हमारे जीवन पर गहरा असर पड़ता है। उसके जीवन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। आइए, जानते हैं कि एक साधारण व्यक्ति किस प्रकार अपने असाधारण कार्य से महान बनता है।

जीवन में आगे बढ़ना हो तो हमें प्रेरणा की आवश्यकता होती है। समाज उन्हीं का अनुकरण करता है जिन्होंने जीवन में कुछ हासिल किया हो। ऐसे ही महान व्यक्तियों में से एक श्री अब्दुल कलाम जी हैं। इनका जन्म 15 अक्तूबर, 1931 को तमिलनाडु राज्य के रामेश्वरम कस्बे में एक मध्यमवर्गीय मुस्लिम परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम श्री जैनुलआबिदीन था। पिता से ईमानदारी तथा माता से ईश्वर पर विश्वास और करुणा का उपहार इन्हें विरासत में मिला था। अपनी माँ और दादी से कलाम ने रामायण और मुहम्मद पैगंबर के किस्से सुने थे। इस प्रकार बचपन से ही अब्दुल कलाम ने जाति-भेद को अपने से दूर रखा था।

अध्यापकों के प्रति अब्दुल कलाम के मन में अगाध विश्वास और श्रद्धा थी। आगे चलकर भारत के राष्ट्रपति बनने पर भी उन्होंने इसका श्रेय अपने गुरुओं को दिया। अपने गुरु अयादुरै सोलोमन से वे काफ़ी प्रभावित थे। 'सफलता पाने के लिए जीवन में इच्छा, आस्था और आशा का होना ज़रूरी है', यह गुरु वाक्य अब्दुल कलाम के लिए 'गुरुमंत्र' बना।

अब्दुल कलाम महान वैज्ञानिक थे। वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वे गंभीर चिंतक तथा सच्चे इनसान भी थे। इनकी सादगी ही इनकी महानता थी। इनके कार्य को सराहते हुए भारत सरकार ने इन्हें 'पद्म विभूषण' तथा 'भारत रत्न' से सम्मानित किया। 'मिसाइल मैन' नाम से प्रसिद्ध अब्दुल कलाम जी कवि हृदयी तथा मानवता के पुजारी थे। श्री अब्दुल कलाम जी सादगी के अवतार थे। वे अनेक भारतीयों के लिए मार्गदर्शक तथा प्रेरणा स्रोत रहेंगे। इस महान प्रेरणा स्रोत ने 27 जुलाई, 2015 को संसार से विदा ली।

शब्दार्थ-

प्रेरणा- काम में लगने का प्रोत्साहन

हासिल- प्राप्त करना

मध्यमवर्गीय- मध्यवर्ग के लोग

कस्बे- छोटा शहर,कस्बा

विरासत- उत्तराधिकार में मिला धन

आस्था- भरोसा

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अर्थ बोध-

मनुष्य को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा की आवश्यकता होती है। जीवन में जो सफल हुए हैं उनकी अनुकरण करना चाहिए। डॉ अब्दुल कलाम का जन्म एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था। परिवार से मिले अच्छे सिख के कारण जाति भेद से अपने आप को दूर रख पाए। गुरु के प्रति उनके मन में अगाध विश्वास और श्रद्धा था। उनके सीख को गुरु मंत्र बनाकर जीवन में आगे बढ़े।वे वैज्ञानिक थे साथ ही एक सच्चे इंसान भी थे।वे मानवता के पुजारी थे। उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। इस मिसाइल मैन की देहांत २७ जुलाई २०१५ को हो गई।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संबंधित प्रश्न-

१. डॉ अब्दुल कलाम का जन्म कब और कहां हुआ था?
२. उनके पिता और माता के नाम क्या था?
३. उनके गुरु के नाम क्या था और उनके कौन से बात को उन्होंने गुरुमंत्र के रुप में ग्रहण किए थे?
४. मां और दादी से वह क्या सुनते थे?
५. वे कैसे इनसान थे?
६. उन्हें किस नाम से जाना जाता है?
७. उनका मृत्यु कब हुआ था?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow